संख्या–cm-41
31/01/2024

# मुख्यमंत्री ने आधुनिक सुविधाओं से लैश राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का किया उद्घाटन, निर्णय समर्थन प्रणाली का भी किया शुभारंभ

पटना, 31 जनवरी 2024 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज सरदार पटेल भवन में आधुनिक सुविधाओं से लैश राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया तथा निर्णय समर्थन प्रणाली का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस आधुनिकीकृत व्यवस्था से सभी जिला आपातकालीन संचालन केंद्र से एक साथ त्वरित सूचना का आदान–प्रदान हो सकेगा। निर्णय समर्थन प्रणाली की शुरुआत होने से आपदा की स्थिति में अंतर्विभागीय समन्वय और बेहतर होगा, संसाधनों का पूर्वानुमान लगाकर आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन हो सकेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस व्यवस्था की शुरुआत होने से मुझे काफी खुशी हुई है। अब आपदा कार्यों का और बेहतर ढंग से समन्वय के साथ निष्पादन किया जा सकेगा।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यालय गए और वहां की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 उदयकांत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अद्यतन कार्यों की जानकारी दी। ***उन्होंने बताया कि आई0आई0टी0 पटना के सहयोग से एक अलर्टिंग डिवाइस विकसित किया गया है, जो दुनिया में अनूठा है। इसके माध्यम से खेत में कार्य करनेवाले मजदूरों एवं बाहर निकलनेवाले व्यक्ति इस डिवाइस को अपने शरीर पर धारण करेंगे तो 30 मिनट पहले ही उन्हें आपदा की सूचना मिलने लगेगी, जिससे वे सतर्क हो जाएंगे। यह डिवाइस शरीर की ऊर्जा से ही चार्ज हो सकेगा। बिहार मौसम सेवा केन्द्र के सहयोग से सिर्फ वज्रपात ही नहीं अपितु बाढ़, अत्यधिक गर्मी यानी लू और शीतलहर जैसे आपदाओं में भी यह पूर्व चेतावनी देगा। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पेंडेंट की शक्ल के इस डिवाइस का नाम NITISH (Novel & Intense Technological Intervention for Saving Human lives) रखा गया है। इसका हिन्दी रूपांतरण नीत, तीव्र एवं शक्तिशाली जीवन सुरक्षा कवच (नीतीश) होगा।***

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन विभाग आपदा कार्यों का बेहतर ढंग से निष्पादन कर रहा है। दोनों आपसी समन्वय बनाकर कार्य करते रहें। जो भी नवीनतम कार्य किए जा रहे हैं उसे आपस में साझा करें ताकि दोनों को इसका लाभ मिल सके। जो भी नये–नये डिवाइस और तकनीक का प्रयोग हो रहा है उसके संबंध में लोगों को जागरूक करते रहें। उन्होंने कहा कि केंद्र में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार में जब हम केंद्रीय कृषि मंत्री थे उस दौरान

आपदा प्रबंधन के कार्यों की शुरुआत कराई थी। राज्य में जनता ने जब सेवा करने का मौका दिया तब से यहां आपदा प्रबंधन को लेकर कई बेहतर और जरूरी कार्य किए गए हैं। आपदा के दौरान एक–एक कार्यों की बेहतर ढंग से निगरानी करते रहें।

इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 उदयकांत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक श्री आर0एस0 भट्टी, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री पी0एन0 राय, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) श्री जे0एस0 गंगवार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री सचिवालय के विशेष सचिव श्री चंद्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पश्चात् पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग पूरे बिहार के विकास के लिए रात–दिन काम कर रहे हैं। आपलोगों से आग्रह है कि बिहार में हो रहे विकास कार्यों को प्रचारित–प्रसारित करिए। बिहार में सरकार में आने के बाद वर्ष 2007 से ही हम आपदा प्रबंधन को लेकर काम कर रहे हैं। पहले आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कुछ नहीं होता था। श्रद्धेय अटल जी के समय में जब हम केंद्र में कृषि मंत्री थे तब इसका अलग विभाग बना। मेरे कहने पर ही सरदार पटेल भवन में आपदा के कार्यों के लिए अलग से सबकुछ बनाया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दोनों का काम यहां से होता है। दोनों का काम देखने के लिए हम यहां आए हैं। 10 फरवरी को सदन में राज्यपाल महोदय का अभिभाषण होगा और उसी दिन बहुमत सिद्ध किया जाएगा फिर 12 फरवरी से बजट सत्र चलेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन पर ई0डी0 का शिकंजा कसने के पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनपर चार्जेज तो बहुत दिन पहले से है, इसपर जांच स्वाभाविक है। कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के कहने पर जाति आधारित गणना करवाई, इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब फालतू की बात है। हमने 9 पार्टियों की सामूहिक बैठक में यह निर्णय लिया था। वर्ष 2019 और वर्ष 2020 में हमने बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद् में भी जाति आधारित गणना की बात कही थी। इसके बाद वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने गए थे। बाद में अपने स्तर पर हमने इसे करवाया। यह सबकुछ मेरा किया हुआ है, बेकार में इसका क्रेडिट कोई ले रहा है। हमने बहाली का काम भी किया है। यह सब सात निश्चय– 2 में हुआ है। पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव कह रहे हैं कि हमारे 17 महीने की सरकार उनके 17 साल की सरकार पर भारी है, इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब बेकार की बातें हैं। पहले कितने लोगों को रोजगार मिलता था ? पहले पढ़ाई का स्तर क्या था ? वर्ष 2005 से पहले के हालात को आपलोग भूल गए, इनलोगों का राज जब था तो क्या होता था, शाम के वक्त घर से कोई निकलता था ? पहले यहां कोई विकास कार्य नहीं होता था जब हम आए तभी अच्छे और बड़े भवनों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। लोगों को इलाज के लिए सारी व्यवस्थाएं की गईं। अच्छी सड़कों और पुल–पुलियों का निर्माण कार्य शुरू हुआ। जब हम सांसद थे और केंद्र में मंत्री थे तब 12–12 घंटे अपने इलाके में घूमते थे लेकिन सड़कें खराब रहने के कारण पैदल चलना पड़ता था लेकिन अब यह स्थिति नहीं है। अब लोग गाड़ियों पर बैठकर सुविधापूर्वक आवागमन कर रहे हैं। हमलोगों ने गांवों में पक्की गली और नाली का निर्माण करवाया। सब काम मेरा करवाया हुआ है। कुछ लोगों को केवल पब्लिसिटी चाहिए। पहले कहीं कोई बहाली होती थी। 'इंडिया' गठबंधन से संबंधित पत्रकारों के सवाल पर कहा कि हम तो नाम भी कुछ

दूसरा कह रहे थे लेकिन मेरी बात नहीं मानी गई। वे लोग अपने मन से नाम रख दिए। गठबंधन में मेरे कहने पर कोई काम नहीं हो रहा था। आपलोगों को उसकी हालत पता ही है। आज तक उस गठबंधन में सीटों को लेकर फैसला नहीं हो पाया। कौन कहां से चुनाव लड़ेगा इन सब पर कोई चर्चा नहीं। तब हमने गठबंधन छोड़ने का फैसला लिया। जिनके साथ हम पहले थे अब फिर से वहां आ गए हैं। अब सब दिन हम इधर ही रहेंगे। हम केवल विकास के काम में लगे रहते हैं और आगे भी लगे रहेंगे।

******